[This question paper contains 4 printed pages.]

7763 *आपका अनुक्रमांक* .....

M.A. (एम. ए.) / II **A**

HINDI (हिन्दी)

Group (C) – Adhunik Kavita

वर्ग (ग) - आधुनिक कविता

Paper 14 (1920 to 1940)

प्रश्न पत्र 14 (1920 ई. से 1940 ई.)

(प्रवेशवर्ष 2000 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 50*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट :- प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक एम. ए. हिंदी परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फार्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य हैं। वर्ग 'अ' (नियमित पूर्व विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।

1. सन् 1920 से 1940 तक के हिन्दी काव्य पर मानववाद के प्रभाव का आकलन कीजिए।

अथवा

P.T.O.

शैली-शिल्प की दृष्टि से उत्तरछायावादी काव्य की विशेषताओं का उद्‌घाटन कीजिए। (12)

2. "'पल्लव' में पंत ने रीतिवादी रूढ़ियों से विद्रोह किया है।" इस कथन पर अपना मत व्यक्त कीजिए।

अथवा

बच्चन की कविता के अभिव्यंजना-कौशल पर प्रकाश डालिए। (12)

3. केदारनाथ अग्रवाल की कविताओं में व्यक्त प्रकृति और प्रेम के रूपों का विवेचन कीजिए।

अथवा

"नागार्जुन कबीर के बाद व्यंग्य के सबसे बड़े कवि हैं।" विचार कीजिए। (12)

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) गिरा हो जाता है सनयन,
नयन करते नीरव भाषण;
श्रवण तक आ जाता है मन,
स्वयं मन करता बात श्रवण!
अश्रुओं में रहता है हास
हास में अश्रुकणों का भास;
श्वास में छिपा हुआ उच्छ्वास
और उच्छ्वासों ही में श्वास।

अथवा

सिर पर बाल कढ़े कंघा से
तरतीबी से, चिकने काले
जग की रूढ़ि-रीति ने जैसे
मेरे ऊपर फंदे डाले।
भौंहे झुकी हुई नीचे को,
माथे के ऊपर है रेखा,
अंकित किया जगत ने जैसे
मुझ पर अपनी जय का लेखा। (7)

(ख) कहाँ गया धनपति कुबेर वह
कहाँ गई उसकी वह अलका
नहीं ठिकाना कमलदास के
व्योमप्रवाही गंगाजल का,
ढूँढा बहुत परन्तु लगा क्या
मेघदूत का पता कहीं पर
कौन बताए वह छायामय
बरस पड़ा होगा न यही पर।

अथवा

छुट्टी का घंटा बजते ही स्कूलों से
निकल-निकल आते हैं जीते-जागते बच्चे
हँसते गाते चल देते हैं पथ पर ऐसे
जैसे भास्वर भाव वही हों कविताओं के
बंद किताबों से बाहर छंदों से निकले
देश-काल में व्याप रही है जिनकी गरिमा। (7)